146 स्कूलों में व्याख्याओं का विकल्प बना वीडियो लेक्चर

हरिभूमि न्यूज, कटनी

शिक्षकों की कमी से जूझ रहे जिले के सरकारी हाई व हायर सेकेन्डरी विद्यालयों में बोर्ड कक्षाओं के छात्र छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित न हो इसके लिये प्रशासन ने वीडियो लैक्चर का तोड़ निकाला है। प्रशासन की यह अभिनव पहल कितनी कारगर व कामयाब होती यह तो परीक्षाफल आने के बाद पता चलेगा बहरहाल बोर्ड परीक्षा के परीक्षार्थी छात्रों को तैयारी में मदद जरूर मिल रही है। जिले में स्मार्ट टीचिग की यह पहल दूसरे जिलो के लिये भी प्रेरणा बन रही है। उल्लेखनीय है कि माशिमं द्वारा संचालित बोर्ड परीक्षाए 1 मार्च से प्रारंभ हो रही है। जिन विद्यालयों में विषय विशेष के शिक्षकों की कमी है वहां उनकी शिक्षा में बाधा बन रही थी।

सीएसआर एक्टिविटी के तहत कैमोर में संचालित एसीसी सीमेन्ट फैक्ट्री ने इस नवाचारी प्रयास में

अपना सहयोग दिया। जिसके माध्यम से एसीसी द्वारा संचालित विद्यालयों के शिक्षकों ने कक्षा 9वी से 12वी तक के विज्ञान और गणित संकाय के विषयों का वीडियो लैक्चर तैयार किया। गुणवत्तापूर्ण ये वीडियो लैक्चर जिले के 146 हाई व हायर सेकेण्डरी स्कूलों के लिये स्मार्ट टीचर के रुप में सामने आये।

जिले के लगभग सभी हाई स्कूल व हायर सेकेण्डरी स्कूलों में एलईडी टीव्ही व कुछ स्कूलों में तो प्रोजेक्टर के माध्यम से वीडियो क्लासेस विद्यार्थियों ने अटेन्ड की। जिससे उन्हें शिक्षकों की कमी भी महसूस नही हुई। इस तरह जिले के 146 विद्यालयों के 46 हजार 675 विद्यार्थियों के लिये कलेक्टर द्वारा किया गया यह प्रयास ज्ञानपुंज के रुप में विकसित हुआ है। स्मार्ट टीचर बने ज्ञानसेतु प्रोजेक्ट से जहां विद्यार्थियों को हाई क्लास लेवल के टीचर्स स्कूल में बैठे हुये ही मिल गये। वही विषयों को सरल व सहज तरीके से इन वीडियो के माध्यम से विद्यार्थियों ने अध्ययन किया।

लोकसेवक सीख रहे ई-ऑफिस सॉफ्टवेयर का उपयोग

कटनी। फाईलें दबें नही, फाईलें चलें। शासकीय कार्य तेजी से हो। फाईलों में होने वाला विलंब, लगने वाला समय कम हो। इस दिशा में राज्य सरकार काम कर रही है। इसी कड़ी में जिले के संचालित सभी विभागों में शीघ्र ही ई-ऑफिस सॉफ्टवेयर के इम्प्लीमेन्टेशन की तैयारियां चल रही है।

फाईलें डम्प ना हों, कार्य में पारदर्शिता आये, शासकीय कार्य तेजी से हो, इसके लिये एनआईसी द्वारा विकसित ई-ऑफिस सॉफ्टवेयर के क्रियान्वयन पर फोकस किया गया है। कार्यालयों में इसकी प्राथमिक तैयारियां जोरो से चल रही है।

ई-दक्ष सेन्टर में संबंधित अधिकारियों, विभाग के नोडल अधिकारियों, कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है।